IASE
NewsLETTER

Vol. 9 - 2019

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान
बिलासपुर (छ.ग.) 495001
Website : www.iasebilaspur.co.in
E-mail : iasebilaspur@gmail.com

विजन

IASE बिलासपुर 2020 तक शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध नवाचार के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रुप में प्रतिष्ठित हो, जवाबदेह, संवेदनशील एवं दक्ष शिक्षकों को तैयार करते हुए, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षक–प्रशिक्षण के समस्त संस्थाओं के साथ सामंजस्य स्थापित कर, विद्यालयीन शिक्षा के विभिन्न स्तरों को साधन सम्पन्न बनाते हुए, गुणात्मक विकास की ओर सतत अग्रसर होगा।

प्राचार्य की कलम से

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान अपने प्रशिक्षार्थियों को बेहतर शिक्षक बनाने के लिए उनके पाठ्यक्रम में निर्धारित समस्त गतिविधियों का आयोजन करता है। संस्था का यह भी प्रयास रहता है कि प्रशिक्षार्थी एक अच्छे शिक्षक के रूप में तो तैयार हों साथ ही साथ एक अच्छे चिंतक के रूप में भी विकसित हों क्योंकि एक शिक्षक का चिंतक होना आवश्यक है। चिंतनशील शिक्षक ही शिक्षा में नवाचार कर सकेगा और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास में सार्थक भूमिका निभा सकेगा। तो प्रस्तुत है न्यूज लेटर का यह अंक महाविद्यालयीन सार्थक गतिविधियों की एक झलक के साथ.....

डॉ. निशी भाम्बरी
प्राचार्य
उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान
बिलासपुर (छ.ग.)

सम्पादकीय

शिक्षक ऐसा हो जो देश काल के अनुसार देश हित के विषय में सोचने में सक्षम हो और दिशा देने के लिए तत्पर हो। तत्पर शिक्षक ही राष्ट्र की अस्मिता की रक्षा करते हुए राष्ट्र को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए उचित मार्गदर्शन दे सकने में समर्थ हो सकेगा। ऐसे ही शिक्षक को प्रशिक्षित करने का कार्य उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान करता है। एक योग्य शिक्षक बनाने के लिए संस्था ने सत्र के उत्तरार्ध में जिन गतिविधियों को आयोजित किया है उसकी एक झलक न्यूज लेटर के नवें अंक में प्रदर्शित है.....

नलिनी पाण्डेय

बी. एड.

गतिविधियाँ

सितम्बर में बी. एड. प्रथम वर्ष के प्रशिक्षार्थी इंटरर्नशिप पूर्ण कर महाविद्यालय आ गए एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थी इंटर्नशिप करते हुए महाविद्यालय में हफ्ते में दो दिन के लिए आते हैं। बी. एड. प्रथम वर्ष की सैद्धांतिक कक्षाओं के साथ उनको स्वयं के बारे में जानने, स्वयं को पहचानने, सामूहिक कार्य का महत्व, फिल्म की समीक्षा से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षार्थियों को पांच समूहों में विभाजित कर दिया गया था एवं आचार्यगण मार्गदर्शक की भूमिका में थे। यह कार्यक्रम 26 अक्टूबर से प्रारम्भ था एवं 7 कार्य दिवस में पूर्ण किया गया।

बी. एड. प्रथम वर्ष के लिए 26 एवं 27 नवम्बर को सेमीनार का आयोजन किया गया। विषय था- 'भारत के विभिन्न बचपनों की झलक', इस मुख्य विषय के 10 उपविषय थे एवं एम. एड. प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के मार्गदर्शन में बी. एड. प्रशिक्षार्थियों ने दस समूहों में अपने वक्तव्य दिए एवं प्रत्येक समूह की रिपोर्ट एम. एड. प्रशिक्षार्थियों ने प्रस्तुत किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम को संस्था के आचार्य डॉ. बी. व्ही. रमणा राव ने आयोजित किया था एवं सभी आचार्यों ने सहयोग किया था।

बी. एड. प्रथम वर्ष के लिए 'पाठ्यवस्तु का नाट्य रूपान्तरण' के कौशल प्राप्त करने हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला 21 जनवरी से आयोजित थी। अग्रज नाट्यदल के सहयोग से यह कार्य सम्पन्न हुआ।

पाठ्यवस्तु का नाट्य रूपांतरण

बी. एड. द्वितीय वर्ष के लिए 22 एवं 23 जनवरी को 'समाज में विज्ञान एवं धर्म की भूमिका' विषय पर एवं 'पर्यावरण संकट' विषय पर एक 'विमर्श' का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम को एम. एड. तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के मार्गदर्शन एवं डॉ. राव ने सभी आचार्यों के सहयोग से आयोजित किया।

24 जनवरी से 31 जनवरी तक बी. एड. द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थियों के लिए ICT के प्रायोगिक कार्य एवं लायब्रेरी के कालखण्ड आयोजित किया गया था।

बी. एड. प्रशिक्षार्थियों के लिए सामाजिक जानकारी की दृष्टि से 25 जनवरी को जी. एस. टी. पर एक व्याख्यान का आयोजन हुआ, यह व्याख्यान Ministry of Finance Department of Revenue की ओर से था।

25 जनवरी को ही प्रशिक्षार्थियों को स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी भी जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम एक हफ्ते का था।

बी. एड. द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थियों को दिनांक 5 फरवरी से 7 फरवरी तक शैक्षणिक भ्रमण हेतु बारनवापारा, जवम्ई घटरानी, चम्पारण ले जाया गया एवं विधान सभा का भी अवलोकन कराया गया। अस्सी प्रशिक्षार्थी इस भ्रमण में संस्था के आचार्यों के साथ गए थे।

दिनांक 15 फरवरी से 5 मार्च तक बी. एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थियों का सत्रीय जांच का आयोजन है एवं 15 मार्च तक विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद की प्रतियोगिताएं

दिनांक 2 जनवरी से 5 जनवरी तक महाविद्यालय में निकेतनवार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ एवं 11 जनवरी से निकेतनवार ही क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

वार्षिकोत्सव -

महाविद्यालय में प्रतिवर्षानुसार 16 जनवरी से वार्षिकोत्सव प्रारम्भ हुआ। वार्षिकोत्सव उद्घाटन में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की अतिरिक्त संचालन श्रीमती सुनीता जैन विशेष रूप से उपस्थित थीं।

समापन समारोह में प्रमुख अभ्यागत माननीय श्री शैलेष पाण्डेय जी नगर विधायक थे।

वार्षिकोत्सव
एवं
पुरस्कार वितरण

अंतरविद्यालयीन नृत्य प्रतियोगता - महाविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। नगर एवं ग्रामीण 14 विद्यालयों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिये। प्रथम स्थान महर्षि विद्या मंदिर मगला को प्राप्त हुआ।

गणतंत्र दिवस - गणतंत्र दिवस में महाविद्यालय में गरिमापूर्ण समारोह सम्पन्न हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम डॉ. ए. के. पोद्दार के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता को श्री सैयद किफायतुल्लाह ने संस्था के आचार्यों के मार्गदर्शन में सम्पन्न करवाया।

लर्निंग आउटकम आधारित शिक्षक संदर्शिका निर्माण

आईएएसई बिलासपुर दिनांक 7 फरवरी से 9 फरवरी 2019 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । उक्त कार्यशाला में पूर्व माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिये संदर्शिका का निर्माण किया गया । विषयों में निहित लर्निंग आउटकम को प्राप्त करने हेतु गतिविधियों का चिन्हांकन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया । निश्चित ही यह संदर्शिका शिक्षकों को रूचिकर शिक्षण हेतु प्रेरित एवं मार्गदर्शित करेंगी । संदर्शिका शिक्षकों को इस प्रकार विषयों से संबंधित अन्य गतिविधियों का निर्माण करने में सहायता करेगी । संदर्शिका निर्माण में प्राचार्य महोदया डॉ. श्रीमती निशी भाम्बरी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है ।

कार्यक्रम समन्वयक – डॉ. श्रीमती महालक्ष्मी सिंह, सहा.प्रा. आईएएसई, बिलासपुर,
श्रीमती मनीषा वर्मा, सहा.प्रा. आईएएसई, बिलासपुर

रसायन शास्त्र उन्मुखीकरण कार्यशाला

कार्यक्रम प्रभारी	:	डॉ. सुदेषना वर्मा, सहा.प्रा. आईएएसई, बिलासपुर
समयावधि	:	3.10.18 एवं 3.10.18 – 2 दिवस तक Need Analysis 3.10.18 से 11.10.18 – 7 दिवसों तक संदर्शिका हेतु लेखन कार्य 19.12.18 से 22.12.18 चार दिवस उन्मुखीकरण कार्यशाला
हितग्राही समूह	:	बिलासपुर जिले के चारों विकास खण्डों के रसायनशास्त्र विषय के व्याख्याता
संख्या	:	51(इक्यावन)
कार्यशाला का उद्देश्य	:	एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू होने के कारण 11वीं एवं 12वीं रसायन विषय में उत्पन्न कठिनाइयों एवं समस्याओं के समाधान का प्रयास एवं विषय से जुड़े नये प्रयोगों का प्रदर्शन ।

स्रोतपुरुष : नवाचार विधाओं से अवगत विषय विशेषज्ञ ।

कार्य योजना एवं उपलब्धि : कार्यशाला की प्रतिपुष्टि काफी सकारात्मक रही । कार्यशाला में बहुत ही सरल एवं रोचक युक्तियों के प्रयोग द्वारा नवाचारी ढंग से तथा आईसीटी के माध्यम से कठिन अवधारणाओं को स्पष्ट किया गया, जिसका उपयोग लाभान्वित व्याख्यातागण अपने अपने संस्थाओं में कर सकेंगे ।

भौतिक शास्त्र उन्मुखीकरण

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर द्वारा पाठ्यक्रम को नवीनीकृत किया गया । उच्चतर माध्यमिक स्तर के कक्षा 12वीं के भौतिक शास्त्र विषय के शिक्षण में गुणात्मक सुधार एवं विद्यार्थियों के अवधारणात्मक समझ में वृद्धि के विकास करने हेतु आईएएसई बिलासपुर में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

भौतिक शास्त्र उन्मुखीकरण प्रशिक्षण 26.11.2018 से 1.12.2018 तक (6 दिवसीय) सम्पन्न हुआ । उन्मुखीकरण का मुख्य उद्देश्य

* नये पाठ्यक्रम के अनुसार विषयवस्तु के कठिन अवधारणाओं को स्पष्ट करना ।
* नये प्रयोगों को सम्पन्न करने की विधि से परिचित कराना ।
* भौतिक शास्त्र के जटिल विषयवस्तु को शिक्षण अधिगम सामग्री के माध्यम से सरलीकृत करना।

उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में 37 व्याख्याता उपस्थित रहे ।
श्रीमती एस. उषामणी, सहायक प्राध्यापक
श्री असीम घटक, सहायक प्राध्यापक

गतिविधियाँ – योग शिक्षण 14.2.2018 से 20.12.2018

योग प्रभारी – डॉ. उल्हास व्ही. वारे

शासकीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर में बिलासपुर जिले के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न शालाओं के शिक्षक–शिक्षिकाओं को 7 दिवसीय शारीरिक शिक्षण एवं योग के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों एवं योग गुरुओं के माध्यम से विभिन्न प्रकार के आसन एवं योग का प्रशिक्षण दिया गया ।

इस कार्यक्रम को प्रदीप्त एवं प्रकाशित करने में निम्न विशेषज्ञों, योग गुरुओं ने अपने विधा का प्रकाशन कर सभी प्रशिक्षार्थियों को रोग से निरोग का मूल मंत्र दिये –

1. श्रीमती सुप्रिया भारतीबन
   (आकाशवाणी,अम्बिकापुर)
   विषय – अष्टांग योग ।
2. श्री लक्ष्मण प्रसाद मिश्र
   (सेवानिवृत्त प्राध्यापक, बिलासपुर)
   विषय – योग का इतिहास ।
3. श्री संजय अग्रवाल (अध्यक्ष, राज्य योग आयोग)
   विषय – आयुष मंत्रालय द्वारा योग पर कृत
   कार्यवाही एवं स्वरूप पर चर्चा ।
4. डॉ. यू.व्ही.वारे (सहायक प्राध्यापक, आईएएसई,बिलासपुर)
   विषय – योग के महत्व पर चर्चा तथा शारीरिक एवं आंतरिक अंगों के बारे में हार्मोन के विषय पर चर्चा ।
5. सुश्री सुलभा ताई देशपाण्डे (तेजस्वनी छात्रावास, संचालक एवं सामाजिक कार्यकर्ता)
   विषय –सात चक्रों, अक्षरों एवं रंगों के माध्यम से प्रत्येक को अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिये मार्गदर्शन दिया ।
6. प्रोफेसर आर.एस. दुबे (सेवानिवृत्त प्राचार्य, बिलासपुर)
   विषय – षटदर्शन शंकराचार्य एवं वेदांत के आधार पर योग की भूमिका ।
7. डॉ. मुकेश मेहता (मुख्य प्रशिक्षक, लाडनू वि.वि. राजस्थान) सम्पूर्ण कार्यक्रमों का संचालन ।
8. डॉ.संतोष तिवारी (व्याख्याता,चकरभाटा)
   विषय – यौगिक क्रिया का अभ्यास ।

उपरोक्त प्रशिक्षण अपेक्षित उद्देश्य में सफल रहा । इस प्रशिक्षण में कुल 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया । यह प्रशिक्षण पूर्णत: आवासीय था, जिसका पूर्ण लाभ प्रशिक्षार्थियों ने लिया । अंत में सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया ।

On the Occasion of

REPUBLIC DAY

Ceremony 2019

Editorial :
Mrs. Nalini Pandey
Professor
& B.Ed. Incharge
IASE Bilaspur